

इंटरनेट

मानक

Disclosure to Promote the Right To Information

Whereas the Parliament of India has set out to provide a practical regime of right to information for citizens to secure access to information under the control of public authorities, in order to promote transparency and accountability in the working of every public authority, and whereas the attached publication of the Bureau of Indian Standards is of particular interest to the public, particularly disadvantaged communities and those engaged in the pursuit of education and knowledge, the attached public safety standard is made available to promote the timely dissemination of this information in an accurate manner to the public.

“जानने का अधिकार, जीने का अधिकार”

Mazdoor Kisan Shakti Sangathan

“The Right to Information, The Right to Live”

“पुराने को छोड़ नये के तरफ”

Jawaharlal Nehru

“Step Out From the Old to the New”

IS 6350 (B) (1985): Shoe cream(BI-LINGUAL) [CHD 23: Lac, Lac Products and Polishes]



“ज्ञान से एक नये भारत का निर्माण”

Satyanarayan Gangaram Pitroda

“Invent a New India Using Knowledge”



“ज्ञान एक ऐसा खजाना है जो कभी चुराया नहीं जा सकता है”

Bhartrhari—Nitiśatakam

“Knowledge is such a treasure which cannot be stolen”

BLANK PAGE



भारतीय मानक
जूतों के लिए क्रीम की विशिष्टि
(पहला पुनरीक्षण)
Indian Standard
SPECIFICATION FOR SHOE CREAM
(*First Revision*)

यू डी सी/UDC 665.92 : 685.31

© भा मा ब्यूरो 1991
भारतीय मानक ब्यूरो
मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली 110002

© BIS 1991
BUREAU OF INDIAN STANDARDS
MANAK BHAVAN, 9 BAHADUR SHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI 110002

भारतीय मानक

जूतों के लिए क्रीम की विशिष्टि

(पहला पुनरीक्षण)

Indian Standard

SPECIFICATION FOR SHOE CREAM

(First Revision)

0. प्राक्कथन

0.1 इस भारतीय मानक (पहला पुनरीक्षण) के मसौदे को पालिश विषय समिति द्वारा अंतिम रूप देने और रसायन विभाग परिषद के अनुमोदन के बाद भारतीय मानक संस्था द्वारा दिनांक 27 फरवरी 1985 को ग्रहण किया गया।

0.2 जूतों की क्रीम विशेष रूप से रंगीन जूतों के लिए उपयुक्त होती है। यह क्रीम मोम/विलायकों वाली जूतों की पालिश के साथ जूतों पर बेहतर चमक लाने के लिए इस्तेमाल की जाती है। जूतों की क्रीम बाजार में विभिन्न रंगों की बिकती है परन्तु सफेद (या उदासीन) रंग के जूतों की क्रीम की जितनी मांग है, उतनी अन्य सभी रंगों की क्रीम की नहीं। जूतों की क्रीम का लाभ यह है कि इसे उपभोक्ता की इच्छानुसार गाढ़ा बनाया जा सकता है। इस विषय में सिर्फ यह सावधानी बरतनी होती है कि यह गरमी के महीनों में बहुत अधिक मुलायम अथवा तरल न हो जाए।

0.3 यह मानक सबसे पहले 1971 में प्रकाशित हुआ था। इस पुनरीक्षण में कार्बनिक विलायक के ज्वलन बिन्दु, जल निष्कर्ष के पीएच मान ज्ञात करने की क्रियाविधि और पैकिंग संबंधी खंडों में रूपान्तरण किया गया है।

0.4 यदि देखना हो कि इस मानक में दी गई किसी अपेक्षा का पालन किया गया है या नहीं, तो परीक्षण या विश्लेषण में अवलोकन या गणना द्वारा परिणाम के रूप में जो भी अंतिम मान आया हो, उसे IS 2 : 1960* के अनुसार पूर्णांक में बदल लिया जाए। पूर्णांकित मानों में सांख्यिक स्थान उतने ही रखे जाएं जितने इस मानक के निर्दिष्ट मान में दिए गए हैं।

*संख्यात्मक मानों के पूर्णांकन संबंधी नियम (पुनरीक्षित)

0. FOREWORD

0.1 This Indian Standard (First Revision) was adopted by the Indian Standards Institution on 27 February 1985, after the draft finalized by the Polishes Sectional Committee had been approved by the Chemical Division Council.

0.2 Shoe cream is particularly suitable for coloured footwear. This cream is also used along with wax/solvent type shoe polish for polishing shoe for better shine effect. Shoe creams are marketed in different colours but the white (or neutral) shoe cream is much more in popular demand than the creams of all the other colours put together. The advantage with shoe cream is that it can be prepared of any consistency as desired by the consumer. The only care to be taken is that it does not become too soft or liquid in the summer months.

0.3 This standard was originally published in 1971. In this revision the requirement of flash point of organic solvent, procedure for determination of pH of water extract and packing clause have been modified.

0.4 For the purpose of deciding whether a particular requirement of this standard is complied with, the final value, observed or calculated, expressing the result of a test or analysis, shall be rounded off in accordance with IS 2 : 1960*. The number of significant places retained in the rounded off value should be the same as that of specified value in this standard.

*Rules for rounding off numerical values (revised).

1. विषय क्षेत्र

1.1 इस मानक में चमड़े के फुटवियरो पर सामान्य उपयोग के लिए उपयुक्त मोम पायस प्रकार की जूतों के लिये क्रीम की अपेक्षाएँ और परीक्षण व नमूने लेने की पद्धतियाँ निर्धारित की गई हैं।

2. पारिभाषिक शब्दावली

2.1 इस मानक के प्रयोजन के लिए IS 8171 : 1984* में दी गई परिभाषा लागू की जायें।

3. अपेक्षाएँ

3.1 जूतों की क्रीम में मोम, कार्बनिक विलायक, जल, साबुन अथवा रंग उदासीन पायसकारक सामग्रियाँ हों। यह क्रीम रंजन-सामग्री हो सकती है अथवा नहीं भी हो सकती है। क्रीम ऐसी हो कि उस का चमड़े पर कोई भी हानिकारक प्रभाव न पड़े।

3.2 गंध—क्रीम में कोई आपत्तिजनक गंध न हो।

3.3 रंग-जूतों की क्रीम चमड़े के जूतों के रंग से करीब करीब मेल खाते हुए रंग में अथवा उदासीन रंग में हो इसके लिए ग्राहक और निर्माता के बीच सहमति भी की जा सकती है।

3.4 गाढ़ता और ऊष्मा व ठंड के प्रति रोधिता

3.4.1 जूतों की क्रीम चिकनी क्रीम पेस्ट के रूप में संभागीकृत क्रीम हो। यदि क्रीम दबने वाली नली में भरी जाए तो खुली नली को थोड़ा सा दबाने पर नली टूटे बिना क्रीम बाहर निकल आए। जब क्रीम का खंड 3.4.1.1 के अनुसार परीक्षण किया जाये तो उसमें किसी प्रकार की भी किर-किराहट वाली सामग्री न पाई जाये।

3.4.1.1 थोड़ी सी क्रीम अँगुलियों पर लें और रगड़ें। ऐसा करने पर उसमें दाने अथवा गुत्थियाँ महसूस न हों। अब साफ और सूखी सूक्ष्मदर्शी कांच की पट्टियाँ लें। उनमें से एक कांच पट्टी की सतह पर क्रीम का एक सार पतला लेप लगायें। उसके ऊपर तुरन्त दूसरी पट्टी रख दें ताकि गीली पालिश की सतह बीच में आ जाए। अब अँगुलियों से हल्के से दोनों कांच पट्टियों को दबाएं ताकि वे एक दूसरे से थोड़ी इधर उधर हिल सकें। अब कांच की पट्टियों को खिसका कर अलग कर लें। ऐसा करने पर दोनों में से किसी भी कांच की पट्टी पर पालिश की लेप में लकीरें न दिखाई दें।

3.4.2 जूतों की क्रीम का खंड क-1 में निर्धारित पद्धति से परीक्षण करने पर वह ऊष्मा व ठंड के प्रतिरोधिता में खरी उतरे।

1 SCOPE

1.1 This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for wax-emulsion type shoe cream suitable for general application to leather footwear.

2 TERMINOLOGY

2.1 For the purpose of this standard, the definitions given in IS 8171 : 1984* shall apply.

3 REQUIREMENTS

3.1 The shoe cream shall consist of waxes, organic solvent, water, soap or neutral emulsifier with or without colouring matter. It shall not have any deleterious effect on leather.

3.2 Odour — The cream shall not have any disagreeable odour.

3.3 Colour — The shoe cream may be manufactured in neutral or any other colour nearly matching the colour of the leather footwear as agreed to between the purchaser and the manufacturer.

3.4 Consistency and Resistance to Heat and Cold

3.4.1 The shoe cream shall be a smooth, homogeneous cream-like pasty mass. When packed in collapsible tubes, the cream shall come out of the open tube when gently pressed, without breaking. It shall also be free from gritty material when tested in accordance with 3.4.1.1.

3.4.1.1 Take a small amount of cream between fingers and rub. Presence of lumps or granules shall not be felt. Take two clean, dry microscopic slips. Apply a uniform thin coat of the cream on the surface of one. Immediately place the other slip on it so that the wet polish layer is sandwiched. Pressing the two slips gently with fingers, cause them to move relative to each other a few rounds. Separate the slips by sliding off. There shall not be any streaks in the polish coat on either slip.

3.4.2 The shoe cream shall pass the test for resistance to heat and cold when tested as prescribed in A-1.

* पालिश और संबंधित सामग्रियों संबंधी शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)

*Glossary of terms relating to polishes and related materials (first revision).

3.5 पालिश करने सम्बन्धी लक्षण

3.5.1 जब पालिश चमड़े की चिकनी उपरली सतह पर साफ कपड़े अथवा ब्रश से लगायी जाए तो क्रीम आसानी से और एक समान रूप में फैले तथा हल्के से रगड़ने पर समुचित रूप से सतह को चिकना बनाये और उसमें किसी प्रकार की चिपचिपाहट न हो। यदि अनुमोदित नमूने उपलब्ध हो तो चमड़े के ऐसे ही समान टुकड़े पर पालिश की जाए और चमक का परीक्षण नमूने की चमक से मेल करके कराया जाए।

3.5.2 ब्रश अथवा कपड़े की सहायता से फैलाई गई पालिश की सतह क-5 में उल्लिखित परीक्षण के अनुरूप हो।

3.5.3 क्रीम पालिश की गई सतह से कणों के रूप में विद्यमान गन्दगी हटा दें।

3.6 पालिश नीचे सारणी 1 में दी गई अपेक्षा के भी अनुरूप हो।

सारणी 1 जूतों की क्रीम की अपेक्षाएँ

क्रम संख्या	लक्षण	अपेक्षाएँ	परीक्षण पद्धति (परिशिष्ट में खंड संख्या का संदर्भ)
(1)	(2)	(3)	(4)
1)	राख द्रव्यमान के अनुसार, प्रतिशत, अधिकतम	1.50	क-2
2)	जल निष्कर्ष का पी एच (pH) मान	6.5 से 9	क-3
3)	कार्बनिक विलायक का ज्वलन बिन्दु, से०, न्यून.	30	क-4

3.7 भंडारण में स्थिरता—इस विशिष्ट के अधीन पूर्ति किये गये जूतों की क्रीम में 3.1 से 3.6 में उल्लिखित गुण धर्म क्रीम निर्माण की तारीख से एक वर्ष तक की अवधि तक कायम रहेंगे बशर्ते क्रीम को मूल सीलबंद धारकों में ढकी स्थिति में परिवेश ताप (21 से 38° से) पर रखा जाये।

4. पैकिंग और सूचना अंकन

4.1 पैकिंग—क्रीम चौड़े मुह वाले धारकों में अथवा दबने वाली नलियों में पैक की जाए। उन दोनों में ढक्कन लगे हों जो आसानी से खोले अथवा बन्द किए जा सकें और जो विलायकों का वाष्पीकरण रोकें और धूल अन्दर न जाने दें।

4.2 प्रत्येक धारक में क्रीम की निवल मात्रा 25 ग्रा, 50 ग्रा अथवा 100 ग्राम हो अथवा इसके लिए निर्माता और ग्राहक के बीच सहमति भी की जा सकती है।

4.3 इन धारकों को कार्टन में पैक किया जाए और कार्टन को कार्ड बोर्ड अथवा लकड़ी के बक्सों में ग्राहक और निर्माता की सहमति के अनुसार पैक किया जाए। हर कार्टन पर लेख संख्या और निर्माण का महीना और वर्ष भी अंकित किया जाए।

3.5 Polishing Characteristics

3.5.1 When applied by means of a brush or a clean cloth to a smooth upper leather surface, the cream shall spread easily and evenly and shall give with minimum of buffing a reasonably glossy surface free from any greasiness. In case an approved sample is available, polish a similar piece of leather and match the gloss obtained on the test sample with that of the approved sample.

3.5.2 The film of polish after spreading with the brush or the cloth shall satisfy the test prescribed in A-5.

3.5.3 The cream shall remove the ingrained dirt from the polished surface.

3.6 The polish shall also comply with the requirements given in Table 1.

Table 1 Requirements for Shoe Cream

Sl No.	Characteristics	Requirement	Method of Test (Ref to Clause No. in Appendix A)
(1)	(2)	(3)	(4)
i)	Ash, percent by mass, <i>Max</i>	1.50	A-2
ii)	pH of water extract	6.5 to 9	A-3
iii)	Flash point of the organic solvents °C, <i>Min</i>	30	A-4

3.7 Stability in Storage — The shoe cream furnishes under this specification shall retain the properties described in 3.1 to 3.6 for one year from the date of manufacture when stored in its original sealed containers under cover at room temperature (21 to 38°C).

4 PACKING AND MARKING

4.1 Packing — The shoe cream shall be supplied in wide-mouthed container or collapsible tubes, both having caps which can be easily closed or opened and which prevent evaporation of solvent and ingress of dirt.

4.2 The net mass of the material in each container shall preferably be 25 g, 50 g or 100 g or as agreed to between the purchaser and the manufacturer.

4.3 The containers shall be packed in cartons and the cartons in cardboard or wooden boxes as agreed to between the purchaser and the manufacturer. Each carton shall be marked with batch number and month with year of manufacture.

4.4 सूचनांकन—धारकों के बाहर की ओर निम्नलिखित जानकारी साफ साफ अंकित की जाए :

- क) निर्माता का नाम, उसका मान्यता प्राप्त मार्क यदि कोई हो तो,
- ख) पैक करते समय क्रीम का निवल भार
- ग) सामग्री का नाम, और
- घ) जूतों की क्रीम का रंग

टिप्पणी — वाट और माप (पैकेजिंग वस्तुएं) विनियम 1977 के अधीन अपेक्षित जानकारी भी अंकित की जाएं ।

4.4.1 धारकों पर मानक मुहर भी अंकित की जा सकती है ।

टिप्पणी — मानक मुहर का उपयोग भारतीय मानक ब्यूरो, अधिनियम 1986 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अनुसार होता है । किसी भारतीय मानक से सम्बन्धित उत्पाद पर इस मुहर का लगा होना इस बात का प्राश्वासन है कि उस वस्तु के बनाने में इस मानक में दी गई अपेक्षाओं का पालन किया गया है और उत्पादन के दौरान उनका निरीक्षण, परीक्षण और गुणता-नियन्त्रण उस सुनिश्चित प्रणाली के अनुसार हुआ है, जिसका निर्धारण और पर्यवेक्षण तो भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा होता है परन्तु क्रियान्वयन उत्पादक द्वारा । इस प्रणाली में बचाव की एक और बात यह भी है कि जिन उत्पादों पर यह मानक मुहर अंकित की जाती है, भारतीय मानक ब्यूरो उन उत्पादों की लगातार जांच पड़ताल करके यह मालूम करता रहता है कि वह उत्पाद सम्बद्ध मानक के अनुरूप है अथवा नहीं । निर्माताओं तथा संस्कारकों को जिन शर्तों पर मानक मुहर लगाने का लाइसेंस दिया जाता है, उनका विवरण भारतीय मानक ब्यूरो से मिल सकता है ।

5. परीक्षण पद्धतियाँ

5.1 परीक्षण, परिशिष्ट क और अपेक्षाओं के दिये खण्डों के अनुसार किए जाएं ।

5.2 अभिकर्मकों की गुणता—जब तक अन्यथा उल्लेख न किया जाये परीक्षण में शुद्ध रसायन और शुद्ध जल (देखें IS 1070 : 1977) ही इस्तेमाल किये जाएं ।

टिप्पणी — शुद्ध रसायन से अभिप्राय ऐसे रसायनों से है जिनमें इस प्रकार भी अशुद्धियाँ न पाई जाये जो परीक्षण के परिणामों को प्रभावित करें ।

6. नमूने लेना

6.1 परीक्षण के लिए प्रतिनिधि नमूने परिशिष्ट ख में उल्लिखित पद्धति के अनुसार लिये जाएं ।

4.4 Marking — The following information shall be clearly marked on the outside of the container:

- a) Manufacturer's name or its recognized trade-mark, if any;
- b) Net mass of the material when packed;
- c) The name of the material; and
- d) The colour of the shoe cream.

NOTE — Any other marking required under Weight and Measures (Package Commodities) Regulations, 1977 may be given.

4.4.1 The containers may also be marked. With Standard Mark.

NOTE — The use of the Standard Mark is governed by the provisions of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 and the Rules and Regulations made thereunder. The Standard Mark on products covered by an Indian Standard conveys the assurance that they have been produced to comply with the requirements of that standard under a well defined system of inspection, testing and quality control which is devised and supervised by BIS and operated by the producer. Standard marked products are also continuously checked by BIS for conformity to that standard as a further safeguard. Details of conditions under which a licence for the use of the Standard Mark may be granted to manufacturers or producers may be obtained from the Bureau of Indian Standards.

5 TEST METHODS

5.1 Tests shall be carried out as prescribed in Appendix A and as indicated in the clauses under requirements.

5.2 Quality of Reagents — Unless specified otherwise, pure chemicals and distilled water (see IS 1070 : 1977*) shall be used in tests.

NOTE — 'Pure chemicals' shall mean chemicals that do not contain impurities which affect the results of analysis.

6 SAMPLING

6.1 Representative samples for test shall be drawn as prescribed in Appendix B.

*सामान्य प्रयोगशाला उपयोग के लिए जल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)

*Specification for water for general laboratory use (second revision).

परिशिष्ट क

(खंड 3.4.2, 3.5.2 और 5.1, और सारणी 1)

जूतों की क्रीम की परीक्षण पद्धतियाँ

क-1 ऊष्मा और अतप्तता के प्रतिरोधिता का परीक्षण

क-1.1 सामान्य — परीक्षण मूल धारकों (कांच की बोतलों अथवा दबने वाली नलियों) में किया जाये। एक नमूना $10 \pm 1^\circ$ से और दूसरा $45 \pm 2^\circ$ पर 2 घंटे तक रखा जाता है।

क-1.2 ऊष्मा प्रतिरोधिता — जो क्रीम $45 \pm 2^\circ$ से पर रखी गई हो वह निम्नलिखित अपेक्षाओं में खरी उतरे।

क-1.2.1 धारकों के खोले जाने पर उनमें से कोई अस्वीकार्य गंद न निकले।

क-1.2.2 दबने वाली नलियों के ढक्कनों में से पालिश अपने आप बाहर न निकले।

क-1.2.3 क्रीम से कोई द्रव पदार्थ नहीं बहे और धारक हिलाने पर द्रव बह कर न निकले। यदि कुछ बूंदें अलग हो जाएं और ठंडा करने पर क्रीम में फिर अवशोषित हो जाएं तो इस लक्षण के कारण क्रीम का अपेक्षा में खरा न उतरना नहीं माना जाए।

क-1.3 अतप्तता के प्रतिरोधिता — अतप्तता के प्रति प्रतिरोधिता में $10 \pm 1^\circ$ से तापमान पर रखी क्रीम निम्नलिखित अपेक्षाएं पूरी करें।

क-1.3.1 ब्रूश से लगाए जाने पर क्रीम चमड़े पर बिना बिखरे हुए फैल जाये।

क-1.3.2 क्रीम से कोई द्रव पदार्थ बहकर न निकले।

क-2 भस्म ज्ञात करना

क-2.1 कार्यविधि — वजन की गई पोर्सीलेन डिश में नमूने की क्रीम की लगभग 10 ग्राम मात्रा का ठीक-ठीक वजन करें। अब इसे भाप कुण्ड में गर्म करें जब तक कि विलायक का अधिकांश भाग वाष्पशील न हो जाएं और तब उसे 110 से 120° से पर एक घंटे तक हवा वाले ओवन में रखें। अन्तिम अवशिष्ट को मफल भट्टी में जलाएं और ठंडा करने के बाद वजन करें। जलने और ठंडा करने की क्रिया तब तक दोहराते रहें जब तक कि स्थिर द्रव्यमान प्राप्त न हो।

क-2.2 परिकलन

भस्म द्रव्यमान के अनुसार प्रतिशत = $\frac{एम_1}{एम} \times 100$

यहाँ

एम₁ = ग्राम में भस्म का भार, और

एम = परीक्षण नमूने का ग्राम में द्रव्यमान

APPENDIX A

(Clauses 3.4.2, 3.5.2 and 5.1 and Table 1)

METHODS OF TEST FOR SHOE CREAM

A-1 TEST FOR RESISTANCE TO HEAT AND COLD

A-1.1 General — The test is carried out on the shoe cream in its original containers (glass bottles or collapsible tubes). One sample is maintained at $10 \pm 1^\circ\text{C}$ and another sample at $45 \pm 2^\circ\text{C}$ for 2 hours.

A-1.2 Resistance to Heat — The material maintained at $45 \pm 2^\circ\text{C}$ shall pass the following requirements.

A-1.2.1 No disagreeable odour shall emit from the containers when opened.

A-1.2.2 No polish shall ooze out through the caps of collapsible tubes.

A-1.2.3 No liquid shall separate from the cream and it shall not flow when the container is tilted. Separation of a few drops shall not be considered of failure if these are reabsorbed into the cream on cooling.

A-1.3 Resistance to Cold — The material kept at $10 \pm 1^\circ\text{C}$ shall pass the following requirements.

A-1.3.1 The material shall spread on leather without crumbling when applied with a brush.

A-1.3.2 No liquid shall separate.

A-2 DETERMINATION OF ASH

A-2.1 Procedure — Weigh accurately about 10 g of the shoe cream sample in a tared porcelain dish. Heat on a steam-bath till the bulk of the solvent is volatilized off and then in an air oven at 110 to 120°C for about an hour. Finally ignite the residue in a muffle furnace and weigh after cooling. Repeat ignition and cooling until constant mass is obtained.

A-2.2 Calculation

$$\text{Ash, percent by mass} = \frac{M_1 \times 100}{M}$$

where

M₁ = mass in g of ash, and

M = mass in g of the test sample.

क-3 जल निष्कर्ष का पी एच (pH) मान ज्ञात करना

क-3.1 कार्यविधि — एक लीटर में आसुत जल की 100 मिली की मात्रा में 15 ग्राम सामग्री डालें। इसे गर्म करें और हिलाते जाएं जब तक कि सारा मोम पिघल न जाए। अब इसे $27 \pm 2^\circ$ से के तापमान पर ठंडा करें। अब IS 5741 : 1970 के अनुसार कांच के इलेक्ट्रोड के साथ पीएच मापी का उपयोग करते समय उसका पीएच मान ज्ञात करें और जलीय सतह को अलग करें।

क-4 कार्बनिक विलायक का ज्वलन बिन्दु ज्ञात करना

क-4.1 कार्यविधि—लगभग 200 ग्रा क्रीम लें और उसका अपचयित दाब के अन्तर्गत आसवन करें ताकि सभी वाष्पशील भाप का आसवन हो जाए। कार्बनिक विलायक को पानी से पृथक्कारी फनल द्वारा कार्बनिक विलायक अलग करें। गलित कैल्शियम, क्लोराइड के साथ या जलीय मैग्नीशियम सल्फेट के साथ हिलाइये इसके बाद IS 1448 (भाग 20) : 1982† में उल्लिखित पद्धति के अनुसार विलायक का ज्वलन बिन्दु ज्ञात करें।

क-5 सुखाने के लिए परीक्षण

क-5.1 कार्यविधि — क्रीम के रंग के ही चमड़े के 150×150 मिमी साइज के टुकड़े लें। टुकड़े चिकने हो और चटाईनुमा परिष्कृति वाले (चमक रहित) हों।

क-5.2 ग्रेन सतह कपड़े अथवा ब्रुश से साफ करें ताकि उसमें से चिपके धूल के कण हट जाएं। अब क्रीम की पतली परत चिकनी ग्रेन की सतह पर किसी कपड़े अथवा ब्रुश से लगाएं और उसे ढाई मिनट तक सूखने के लिए रख दें।

क-5.2.1 इस टुकड़े को उपयुक्त भौतिक तुला के एक पलड़े में रखे और दूसरी तरफ बराबर का भार रखें। अब इसमें 2.5 किग्रा अतिरिक्त भार रखें और अँगूठे की सहायता से पालिश की हुई सतह को दबाएँ जब तक कि दोनों पलड़े का संतुलन बराबर न हो जाएँ। अँगूठे को इस स्थिति में एक मिनट तक रखें और फिर धीरे धीरे हटा लें। ऐसा करने पर अँगूठे में पालिश न तो चिपके और न ही लगे। पालिश की सतह पर पड़ी हुई अँगूठे की छाप ब्रुश उथवा कपड़ा मारने से हट जाएँ।

* पीएच (pH) मान ज्ञात करने की पद्धतियाँ।

† पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण की पद्धतियाँ भाग 20 एबेल उपकरण द्वारा ज्वलन बिन्दु ज्ञात करना (पहला पुनरीक्षण)

A-3. DETERMINATION OF pH OF WATER EXTRACT

A-3.1 Procedure — Add 15 g of the material to 100 ml of distilled water in a beaker. Heat with stirring till all the wax is melted. Allow to cool to a temperature of $27 \pm 2^\circ\text{C}$. Separate the aqueous layer and determine its pH using a pH meter with a glass electrode in accordance with IS : 5741-1970*.

A-4. DETERMINATION OF THE FLASH POINT OF THE ORGANIC SOLVENT

A-4.1 Procedure — Take about 200 g of the shoe cream and distil it under reduced pressure so that all the volatile fractions are distilled over. Separate the organic solvent from water by a separatory funnel. Shake the solvent with fused calcium chloride or with anhydrous magnesium sulphate and filter. Determine the flash point of the solvent by the Method B prescribed in IS : 1448 [P : 20] 1982†.

A-5. TEST FOR DRYING

A-5.1 Procedure — Use leather upper piece of size 150×150 mm of the same colour as the cream. The piece shall be smooth and matt finished (non-glossy) on the grain side.

A-5.2 Clean the grain surface with a cloth or brush to remove any adhering dust particles. Apply the cream in a thin film to the smooth grain surface using a rag or brush and allow to dry for $2\frac{1}{2}$ minutes.

A-5.2.1 Place the piece in one pan of a suitable physical balance and counterpoise it with weights. Place an additional weight of 2.5 kg and press the polished surface with the thumb till the two pans of the balance are counterpoised. Keep the thumb in this position for one minute and then slowly release. No sign of stickness to the thumb shall be present. The thumb impression if produced shall be such as can be wiped out with a cloth or brush.

*Methods for determination of pH.

†Methods of test for petroleum and its products: P : 20 Determination of flashpoint by Abel apparatus (first revision).

परिशिष्ट ख

(खंड 6.1)

जूतों के लिये क्रीम के नमूने लेना**ख-1 सामान्य**

ख-1.0 परीक्षण नमूने निकालने, तैयार करने, भंडार में रखने और उपयोग करने के संबंध में निम्नलिखित सावधानियों और निर्देशों का पालन किया जाये।

ख-1.1 नमूने किसी ऐसे स्थान पर रखे जायें जहाँ नमी, हवा, धूल और धुआँ न हो।

ख-1.2 इस्तेमाल के समय नमूने लेने के उपकरण साफ और सूखे हों।

ख-1.3 नमूनों, नमूने ली जा रही सामग्री, नमूने लेने के उपकरण, नमूने के धारकों को किसी आकस्मिक संदूषण से बचाने के लिए सावधानी बरती जाए।

ख-1.4 प्रतिनिधि नमूने के लिए क्रीम का एक समान स्थित स्थलों पर से उध्वं खंड निकाले जायें। निश्चित दूरी पर स्थित बिन्दुओं पर से उपयुक्त युक्ति से अच्छी तरह मिला लें।

ख-1.5 नमूनों को साफ, सूखे और हवा बंद कांच के अथवा अन्य उपयुक्त ऐसे धारकों में रखें जिन पर क्रीम की कोई क्रिया न होती हो।

ख-1.6 नमूने के धारक ऐसे साइज के हों कि वे नमूने से लगभग पूरे पूरे भर जाएँ।

ख-1.7 हर नमूने के धारक को भरने के बाद हवा बंद रूप में सील कर दिया जाए और उस पर नमूने लेने के सभी ब्यौरे, नमूने लेने की तारीख, निर्माण का महीना और वर्ष अंकित किया जाए।

ख-1.8 नमूनों को इस प्रकार भंडार में रखा जाए कि क्रीम के तापमान में सामान्य तापमान से बहुत अधिक परिवर्तन न हो।

ख-2 नमूने लेने का पैमाना

ख-2.0 इस विशिष्ट के अनुरूप क्रीम के एक परेणन की अनुरूपता निर्धारित करने के लिये नमूनों को परेणन का प्रतिनिधित्व करने वाले नमूनों के रूप में चुना जाये इसके लिए नमूने मिलीजुली राशियों से लिये जायें।

ख-2.1 राशि — एक बार में भेजी जाने वाली सामग्री के परेणन के सभी धारक निर्माण की एक ही खेप से लिये गये हो और एक ही साइज के हों तो एक राशि माने जाएँ। यदि परेणन की संख्या घोषित अथवा ज्ञात हो कि भेजी जानी वाली सामग्री निर्माण की विभिन्न खेपों में अथवा विभिन्न साइज के धारक में हैं तो एक ही खेप और साइज वाले धारकों का समूह बनाया जाये और इस प्रकार प्रत्येक समूह अलग राशि माना जाए।

APPENDIX B

(Clause 6.1)

SAMPLING OF SHOE CREAM**B-1. GENERAL**

B-1.0 In drawing, preparing, storing and handling test samples, the following precautions and directions shall be observed.

B-1.1 Samples shall be taken in a protected place not exposed to damp air, dust or soot.

B-1.2 The sampling instrument shall be clean and dry when used.

B-1.3 Precautions shall be taken to protect the samples, the material being sampled, the sampling instrument and the containers for samples from adventitious contamination.

B-1.4 To draw a representative sample, vertical sections of the shoe cream at uniformly placed points shall be taken and mixed as thoroughly as possible by suitable means.

B-1.5 The samples shall be placed in clean, dry and air-tight glass or other suitable containers, on which the material has no action.

B-1.6 The sample containers shall be of such a size that they are almost completely filled by the sample.

B-1.7 Each sample container shall be sealed air-tight after filling and marked with full details of sampling, the date of sampling and the month and year of manufacture of the material.

B-1.8 Samples shall be stored in such a manner that the temperature of the material does not vary unduly from the normal temperature.

B-2. SCALE OF SAMPLING

B-2.0 Samples, to determine the conformity of a consignment of shoe cream to this specification, shall be selected so as to be representative of the consignment and for this purpose the consignment should be made up of homogeneous lots.

B-2.1 Lot — All the containers in a single consignment of the material drawn from the same batch of manufacture and belonging to the same size shall constitute a lot. If a consignment is declared or known to consist of different batches of manufacture or of different sizes of containers, the containers belonging to the same batch and size shall be grouped together and each such group shall constitute a separate lot.

ख-2.2.1 सामग्री की इस विशिष्टि के प्रति अनुरूपता ज्ञात करने के लिए हर राशि से नमूनों का परीक्षण किया जाये।

ख-2.2 राशि में से चुने वाले धारकों की संख्या (स) राशि के आकार पर निर्भर करे और वह सारणी 2 के स्तम्भ 1 और 2 के अनुसार हो।

सारणी-2 नमूने लेने के लिए चुने जाने वाले पात्रों की संख्या

राशि का साइज (सा)	चुने जाने वाले पात्रों की संख्या (सं)
(1)	(2)
1 से 500 तक	10
501 से 1 000 तक	15
1 001 से अधिक	20

ख-2.2 खंड ख-2.2 में चुने गए धारकों की संख्या की प्रत्येक राशि से और भी धारक चुने जाएं ताकि सामग्री के कार्बनिक विलायक का ज्वलन बिन्दु ज्ञात करने के लिए 400 ग्राम सामग्री उपलब्ध हो सके।

ख-2.3 ये धारक राशि में से यदृच्छया चुने जाएं। यह निश्चित करने के लिए कि चुनाव यदृच्छया किया गया है ग्राहक और पूर्तिकर्ता के बीच सहमत यदृच्छया संख्या सारणी का उपयोग किया जाय। यदृच्छया चुनाव कार्यविधियों के लिए IS 4905 : 1968* देखा जा सकता है।

ख-3 मिले जुले परीक्षण नमूने तैयार करना

ख-3.1 बोतल में पूर्ति की जाने वाली सामग्री के मामले में, ख-2.2 के अनुसार चुनी गई बोतलों की विभिन्न सतहों से छेदक यथा कार्क छेदक की सहायता से तीली भरकर सामग्री निकाल लें। दबने वाली नली में पूर्ति की गई सामग्री के लिए सामग्री को तीली के रूप में निकालें। प्रत्येक बोतल अथवा नली से निकाली गयी कुल सामग्री की मात्रा लगभग 10 ग्राम हो।

ख-3.2 विभिन्न धारकों से निकाली गई सामग्री के सभी भागों को अच्छी प्रकार से मिलाने के लिए यांत्रिक चालक से चलाते हैं। यदि आवश्यक हो तो उसे 45° से कम ताप तक गर्म भी कर लिया जाये ताकि सबका एक मिला जुला नमूना तैयार हो जाए जिसका वजन 100 ग्राम से कम न हो।

ख-4 परीक्षण की संख्या और अनुरूपता के मापदण्ड

ख-4.1 खंड ख-2.2 1 के अनुसार चुने धारकों से निकाले गये नमूनों का इस्तेमाल करते हुए कार्बनिक विलायक का ज्वलन बिन्दु ज्ञात करें।

ख-4.2 इस मानक में निर्दिष्ट अन्य लक्षणों को ज्ञात करने के लिए मिले जुले नमूने पर परीक्षण किये जाये।

ख-4.3 यदि ख-4.1 और ख-4.2 के अन्तर्गत प्राप्त परीक्षण परिणाम सम्बन्धी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं तो राशि को इस विशिष्टि की अपेक्षाओं के अनुरूप घोषित किया जाए।

*यदृच्छया नमूने लेने की पद्धतियाँ।

B-2.1.1 Samples shall be tested for each lot for ascertaining the conformity of the material to the requirements of this specification.

B-2.2 The number (n) of containers to be chosen from the lot shall depend upon the size of the lot and shall be in accordance with col 1 and 2 of Table 2.

Table 2 Number of Containers to be Selected for Sampling

Lot Size	No. of Containers to be Chosen
N (1)	n (2)
Up to 500	10
501 to 1 000	15
1 001 and above	20

B-2.2.1 In addition to the number of containers chosen in B-2.2, an additional number of containers shall be selected from each lot so as to obtain 400 g of the material for determination of the flash point of the organic solvent of the material.

B-2.3 These containers shall be chosen at random from the lot; in order to ensure the randomness of selection, some random number table as agreed to between the purchaser and supplier shall be used. For random selection procedures IS : 4905-1968* may be referred to.

B-3. PREPARATION OF COMPOSITE TEST SAMPLES

B-3.1 For material supplied in bottles, withdraw sticks of material by means of borer such as cork borer from several different points across the surface of the bottles selected according to B-2.2. For material supplied in collapsible tubes, press out sticks of material. The total quantity drawn from each bottle or tube shall be approximately 10 g.

B-3.2 Thoroughly mix, if necessary by heating below 45°C, with a mechanical stirrer all the portions of the material drawn from different containers so as to form a composite test sample weighing not less than 100 g.

B-4 NUMBER OF TESTS AND CRITERION FOR CONFORMITY

B-4.1 Flash point of the organic solvent shall be determined using the sample drawn from containers selected according to B-2.2.1.

B-4.2 Tests for the determination of other characteristics prescribed in this standard shall be conducted on the composite sample.

B-4.3 The lot shall be declared as conforming to the requirements of this specification if the test results as obtained under B-4.1 and B-4.2 satisfy corresponding requirements.

*Methods for random sampling.

विवाद की स्थिति में इस मानक की अंग्रेजी पाठ सामग्री प्रामाणिक मानी जाए।

In case of dispute, English Text of this standard shall be considered authentic.

रसायन विभाग के हिन्दी में प्रकाशित अन्य मानक

		मूल्य वर्ग
IS : 253-1985	साधारण खाद्य नमक की विशिष्टि साइज ए-5	7
IS : 1459-1974	मिट्टी के तेल की विशिष्टि साइज ए-5	2
IS : 1848-1987	लेखन और मुद्रण कागज की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) साइज ए-5	2
IS : 1984-1976	चमड़े के सुरक्षा बूटों और जूतों की विशिष्टि : भाग 1 खनिकों लिए (तीसरा पुनरीक्षण) (संशोधन संख्या 1 समाविष्ट) साइज ए-5	6
IS : 4199-1974	नहाने के द्रव साबुन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) साइज ए-5	2
IS : 7224-1985	आयोडीन युक्त नमक की विशिष्टि साइज ए-5	6
IS : 742-1986	पेय जल प्रयोजनों के लिये फिल्टरों की विशिष्टि साइज ए-5	3
IS : 1633-1986	वनस्पति की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण) साइज ए-5	5

भारतीय मानक ब्यूरो

भारतीय मानक ब्यूरो एक वैधानिक संस्था है, जिसकी स्थापना भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत देश में मानकीकरण मुहरांकन और वस्तुओं की गुणवत्ता प्रमाणन गतिविधियों के विकास में एकरूपता लाने और इनसे सम्बद्ध विषयों से सम्बन्धित कार्य करने के लिए की गई है।

कापीराइट

भारतीय मानक ब्यूरो के पास सभी प्रकाशनों का कापीराइट है। भारतीय मानक ब्यूरो की पहले से लिखित अनुमति के बिना इन प्रकाशनों के किसी भी अंश को किसी भी रूप में पुनः प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। लेकिन इनके साइज, टाइप अथवा ग्रेड पदनाम जैसे संकेत किसी भी आवश्यक विवरण को, मानक लागू करने में उपयोग पर रोक नहीं है। कापीराइट के सम्बन्ध में किसी भी पूछताछ के लिए निदेशक (प्रकाशन), प्रमुख (हिन्दी) भा मा ब्यूरो को लिखें।

भारतीय मानकों का पुनरीक्षण

भारतीय मानक की समीक्षा और पुनरीक्षण आवधिक रूप से किया जाता है और आवश्यकता होने पर, समय-समय पर संशोधन, यदि कोई हो, तो वे भी जारी किए जाते हैं। भारतीय मानकों के प्रयोक्ताओं को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उनके पास मानक का अद्यतन संस्करण है अथवा वह संस्करण है जिसमें सभी अद्यतन संशोधन शामिल कर लिए गए हैं। भा मा ब्यूरो को इस भारतीय मानक पर सम्मतियाँ निम्नलिखित का संदर्भ देते हुए भेजें।

नोट :

इस मानक का अनुवाद भारतीय मानक ब्यूरो की हिन्दी यूनिट द्वारा किया गया है।

प्रकाशन के बाद से अब तक जारी संशोधन

संशोधन सं.	जारी करने की तारीख	प्रभावित पाठ्य सामग्री

भारतीय मानक ब्यूरो

मुख्यालय :

मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002

टेलीफोन : 331 01 31, 331 13 75

क्षेत्रीय कार्यालय :

मध्य : मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002

पूर्वी : 1/14 सी. आई. टी. स्कीम VII एम, वी. आई. पी. रोड, मानिकतल्ला,
कलकत्ता-700054

उत्तर : एस. सी. ओ. 445-446, सैक्टर 35-सी, चंडीगढ़-160036

दक्षिण : सी. आई. टी. परिसर, मद्रास-600113

पश्चिम : मानकालय, ई 9 एम. आई. डी. सी., मरोल, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093

शाखाएं : भद्रमदाबाद, बंगलोर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर,
कानपुर, पटना, त्रिवेन्द्रम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, कोयम्बतूर, लखनऊ।

तार का पता :

(सभी कार्यालयों के लिए समान)

टेलीफोन

{ 331 01 31
331 13 75

36 24 99

53 38 43

235 02 16

632 92 95